











**ਗੁਲ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਹ ਕੇ 357ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪਰ्व : ਸਦੈਵ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਦੇਤੇ ਰਹੇਂਗੇ ਗੁਲ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਹ ਕੇ ਉਪਦੇਸ਼**

प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्त्व मनाया जाता है। बघपन ने गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय वे नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृंज, फारसी आणि अंग्रेजी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महाराजा हासिल की थी। कठमीटी पड़ितों के धार्मिक अधिकारों की दस्ता के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहदत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु रेंग में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापन बने। अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य सवा लाख से छट्ट लड़ाकं तं गोबिंद सिंह नाम धाराऊं सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैलायी भेदभाव को समाप्त कर समाजता स्थापित की थी और लोगों ने आत्मसम्मान तथा निर्दर रहने की भावना पैदा की थी।



लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

1  
f  
f

17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्र पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, ब्रज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पांडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पांडित की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खलसा पंथ के संस्थापक बने।

अत्याचार और अन्याय वे खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य सबा लारा से एक लड़ाऊं तांग गोबिंद सिंह जी धराऊं सैकड़ों वर्षों बाद आज १३० वर्षों के प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रह की भावना पैदा की। शौर्य, साहस त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण

के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उन्वेद दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। ह्याविचित्र नाटक को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह दशम ग्रंथ का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिं में की थी।

कहा जाता है कि गुरु गोबिंद

A portrait of Guru Gobind Singh Ji, the tenth Sikh Guru. He is shown from the chest up, wearing a traditional orange turban with a gold-colored decorative band and a white cloth underneath. He has a full black beard and mustache. He is dressed in a purple robe over a white shirt. The background is a soft-focus yellow and blue gradient.

वाहेगुरु जी की फतेह कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें पंच ककर (केश, कड़ा, कृपण, कंधा और कच्छ) कहा जाता है।

गुरु गोबिंद सिंह ने ही गुरु ग्रंथ साहिब को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में उन्होंने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके सर्वांग और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार

रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चम्पकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नादेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिंद सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्टूबर 1708 को नादेड़ में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

# द बाख

# બુગા: જાટાંના પણ જાગ

## હરિશંકર વ્યાસ

कांग्रेस अध्यक्ष महो रहे हैं बल्लिव



यात्रा तेजस्वी, स्टालिन जैसे नेताओं  
जैसे साथ मिलकर मोटी से चुनावी ल-  
ड़ते। ऐसे उमियाज करे अंग राज

बतलाने के लिए कहे रहे हैं कि आप बंगल या यूपी में हो क्या ? इसलिए यात्रा दौरान वे यह महसूस करेंगे तो समझ आएंगा कि देश में यह जो डर खत्म हो रहा है, लोग भावनाओं के जाल से निकलना चाह रहे हैं और राहुल की न्याय की बात, रोजगार की बात, महंगाई की बात, सरकारीशक्ति के जरिए उनके बच्चों के भविष्य की बात अब लोगों के दिमाग में पहुंच रही है तो जाहिर है यात्रा विपक्ष के दिमाग के जालों को भी साफ करेंगी।

मामूली बात नहीं जो अरविंद के जर्जीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष और बड़ा हमला होगा तीसरी बार जीते हुए नंदेंग मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर पाएगा। खुद भाजपा और संघभी नहीं।

मगर अभी यह बात ममता बनर्जी और अखिलेश यादव को पूरी तरह समझ में नहीं आ रही है। उन्हें अपने बंगल और उत्तर प्रदेश की ताकत पर बड़ा धमंड है। मगर दोनों यह भूल रहे हैं कि लोकसभा जीतने के बाद फिर जो पश्चिम बंगल और उत्तरप्रदेश के चुनावों में मोदीजी लड़ेंगे तो दोनों दलों का नामों निशान भी मिट जाएगा। विपक्ष में सभी अनभ्युत नेता हैं।

राजनीति करने का बहुत समय पड़ा हुआ है। जिस पीड़ीए की वह बात करते हैं उसका बड़ाहिस्सा उनके पास है। पिछड़ा मुख्यतः उनकी अपनी जाति के यादव, दलित में मायावती की जाति को छोड़कर बाकी दलितों का एक हिस्सा और अल्पसंख्यकों का भी एक बड़ा हिस्सा।

आखिर 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें इनांवा वोट ऐसे ही नहीं मिला। सपा बनने के बाद से पहली बार उसने 32 प्रतिशत वोट निकाला है। 1993 में मुलायम सिंह यादव ने पार्टी बनाई थी और उस बक्से के लिए हर उस आदमी पर हमले करती हैं जिससे बीजेपी को चुनावी मिलनेकी संभवना होती है। लैंकिन अखिलेश के लिए मायावती पहले नंबर की शत्रु नहीं हैं। उन्हें तो भाजपा से ही मुकाबला करना होगा। और इस समय बहुत मजबूत होगी भाजपा को हिलाने के लिए उन्हें कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों की पूरी मदद चाहिए। वे मायावती नहीं बन सकते। मायावती अपनी पारी खेल चुकी हैं। भतीजे को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। मगर कोई पूछे कि आपउत्तराधिकार में छोड़कर यूपी सरकारी स्कूलों की अब वापसी नहीं होने वाली। केवल धर्म की राजनीति चलेगी। तो इसे दूर करके बताना कि नहीं आम आदमी के रोजीरोटी की बात फिर से होगी।

राहुल की यह यात्रा सिर्फ और सिर्फ एक पार्टी भाजपा को नुकसानपहुंचाएगी। मगर यह नहीं है तब ऐसे में अल्पसंख्यक वोट का उनके साथ रहना मुश्किल है।

तो इन परिस्थितियों में अखिलेश यादव को फायदा ही फायदा है। लैंकिन अगर वे यूपीके सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता के रूप में भाजपा हराने के अलावा कछू और सोंचेंगे मिलेगा। और डर एक ऐसी चीज है

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। भरोसा दिया कि सीट शेयरिंग में कोई परशनी नहीं होगी। क्यों? इसे समझना मुश्किल नहीं है। उन्हे हाल में ईंडी काचीथा सम्मन आया है। उनके पास बीच का कोई रास्ता नहीं है। या तो मोदी के सामने समर्पण कर दें या खड़हे, राहुल गांधी के साथ और दूसरे विषयी नेताओं उद्घव ठाकरे, लालू यादव, इसलिए ये क्या यह नहीं जानते कि हैट ट्रिक के बाद मोदीजी किसतरह व्यवहार करेंगे? चक्रवर्ती सप्लाट की तरह। कोई विपक्ष रहना ही नहीं चाहिए। और अगर विपक्ष में रहने का शौक ही है तो मायावती की तरह चुपचाप बैठे रहिए।

मायवती ने सोमवार को अपने जन्म दिन घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी लोकसभा काचुनाव 18 प्रतिशत बोट पायाथा। जो अब बढ़ते-बढ़ते 32 प्रतिशत तक पहुंच गया है। और यहाँ अखिलेश यादव के लिए यह बात समझने की है कि यह बोट उन्हें तभी तक मिलेगा और बढ़ भाँ सकता है जब तक वे ताकतवर दिखेंगे, मुकाबले में दिखेंगे। जिस दिन मायावतीजैसे वे कमज़ोर दिखे उनका जनाधार भी खिसक जाएगा। क्योंकि मूलतः उनका आधारकमज़ोर पृष्ठभूमि में क्या बचाए हुए हैं? केवल एक विधायक! बाकी लोकसभा में उनके सपा के साथ गठबंधन में लड़ने से दस जीते थे वह अब भाजपा के साथ अप्रत्यक्ष गठबंधन में कितने रह जाएंगे, कोई नहीं जानता। तो मायावती कहतो यह रही हैं कि मेरे एक मात्र उत्तराधिकारी आकाश आनंद। मगर उसे राजनीतिक रूप से क्या मिलेगा, कहना मुश्किल है। बाकी पैसों, वैसों जैसे कांग्रेस को दबाना तो वे अपना ही सबसे बड़ा नुकसान करेंगे।

राहुल गांधी की इस दूसरी यात्रा का बड़ा फायदा यूपी में अखिलेश को भी मिलेगा यूपी में पिछला 2022 का विधानसभा चुनाव वे हारे तो इसकी प्रमुख वजह गरीब, पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों में बैठ गया डर भी था। राहुल इस बार सबसेज्यादा दलों को मिलेगा। बर्शत की वेमायवती न बन जाएं।

# હાઇન વહા જા દાન દાચ દાખા



प्रदोष कुमा

स्थिति भी है और लगभग यही हो हा है।  
गोमवार 22 जनवरी 2024 को

हेलो की जगह जय श्री राम बोलना भी आरंभ कर दिया है। न सिर्फ अयोध्या, परे भारत के लोगों ने अपने दक्षानों आमंत्रण को ठुकरा दिया है। ठुकराने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने न सिर्फ हमारे आगाध्य को सालों तक तंब में का सरकार गिराया तो किसी सेवकों पर गोलियां चलवा सज्जा उनके हाथ से गई तब

न सिर्फ भारत बल्कि पूरा विश्व, एक  
ऐसी धारा का साक्षी बनेगा जिसके

लिए सनातनिया ने, हिंदुओं ने, न केवल कुछ वर्ष बल्कि कई शताब्दी तक संरच्छ ही नहीं किया बल्कि अपना अक्षत और आमत्रण पत्र पाकर लोखुद को भाग्यशाली समझ रहे हैं, तेरहीं टमरी और कोई शत थी प्रदंन्त-

तक संवेद हो नहीं किया वाले क अनन्त  
तन, मन, धन सब न्योगावर कर दिया,  
जान का बलाधार भी दिया।

आज परा भारत लगभग राममय  
हो चुका है। लोगों ने अनेक सोशल  
मीडिया का डीपी, मोबाइल का  
रिंगटोन, स्टेटस सब राममय ही कर  
दिया है। प्रभात फेरियाँ निकाली जा  
रही हैं, मार्दिरों की सफ-फाई कराना  
एवं उनका दिवाली तौर पर ऐसा ही

रखा, बल्कि मंदिर निर्माण में हमेशा रोड़े अटकाए। हट तो तब हो गई जब इन्होंने राम को काल्पनिक तक कह डाला और रामसे तू तोड़ने की तैयारी भी कूली थी।

उनका उद्देश्य सिर्फ सनातनियों को अपमानित करना, अपने तथाकथित वोट बैंक को कायाम रखना और एक खास वर्ग के तुष्टिकरण का था। कहते हैं कि सत्ता जिसके पास रहती है उसकी तूरी बोलती है। जब तक विरोधियों के हाथ सत्ता थी तो उन्होंने मंदिर का विरोध करने में कोई कमी नहीं देखी तभी वे अपने पालिंगों

आज राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का साक्षी बनना हमारे भाग्यशाली होने का प्रतीक है, वहाँ उसकी विधवा विलाप करने वाले अभाएँ को भी हम प्रतीकान् पा रखे हैं।

अमाना का को मह वहाँ राहन पर रह  
जो की शुद्ध सनातन के विरोधी हैं।  
आज वह खुद अप्रासादिक हो गए हैं  
जो कल तक राम को काल्पनिक और  
अप्रासादिक बता रहे थे। हमारे आराध्य  
के साथ छल करोगे तो भुगतना तो  
पड़ेगा ही ना। क्योंकि ...  
होइहें वही जो राम रचि राखा  
मेरे झोपड़ी के भाय अब खुल  
जाएगे या आएं।











## आईआरजीसी के मिसाइल हमले में अरबील में चार लोगों की मौत

बगदाद, एजेंसी।

का स्नोत नहीं रहा है। मिसाइल हमले को कुदूद क्षेत्र और इराक की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन बताया गया है तथा संघीय सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे हालों के बारे में चुन नहीं रहने का भी आह्वान किया गया। इससे पहले, एक स्थानीय सुरक्षा सूत्र ने बताया कि अरबील के उत्तरी हिस्से में निर्माणाधीन अमेरिकी वाणिज्य द्रुतगाम के पास आशी रात के आसपास छह विस्फोटों की आवाज सुनी गई थी। इस बीच, आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, आईआरजीसी ने समवार को एक बयान में कहा कि उसने क्षेत्र में द्वाजासूपी मुख्यालय पर मिसाइल हमले किए। बयान में कहा गया है कि हमले में चार नारिकों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। बयान में कहा गया, एक स्थिर क्षेत्र के रूप में अरबील कभी भी किसी भी पक्ष के लिए खतरे

## ट्रम्प के आयोवा रिप्लिकन कॉकस जीतने का अनुमान

बाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के कई मीडिया आउटलेट्स ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 2024

आयोवा रिप्लिकन कॉकस जीतने का अनुमान लगाया है। सीबीएस न्यूज, एसोसिएटेड प्रेस, फोर्म्स न्यूज और सोएनएन समेत अन्य ने 2024

व्हाइट हाउस की दौड़ में पहले बोट के लिए आयोवा कॉकस खुलने के अधी घटे से कुछ अधिक समय बाद यह अनुमान लगाया। सीबीएस न्यूज ने कहा कि श्री आरोप है। सीएनएन के मुताबिक यह जीत जीती ओपी क्षेत्र में श्री दृष्टि की अग्रणी स्थिति को मजबूत करती है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि यह देखना बाकी है कि दूसरा स्थान पर कौन जीतेगा।

## वाहे गुरु जी का खालसा वाहे वाहे गुरु जी की फतेह



दशमेश पिता गुरु गोविंद सिंह जी के 357वें प्रकाश  
पर्व पर लख-लख बधाइयां

दमनजीत सिंह उर्फ राजू  
हल्का नंबर-2,  
पटना

## बोले सो निहाल सतश्री अकाल

सर्वशदानी गुरु गोविंद  
सिंह जी के 357वां  
प्रकाश पर्व पर लख-लख  
बधाइयां

जगजीवन सिंह  
प्रधान, श्री गुरु सिंघ सभा, वितकोहरा,  
हल्का-3, पटना



साहिब-ए-कमाल

श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के  
357वां पावन प्रकाश गुरुपर्व पर



श्री नीतीश कुमार जी  
माननीय मुख्य मंत्री (विहार)

## तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब प्रबंधक कमिटी की ओर से समूह साध संगत को

## लख-लख बधाइयाँ



प्रबंधक कमेटी, तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब

Website : [www.takhatpatnasahib.com](http://www.takhatpatnasahib.com), e-mail : [info@takhatpatnasahib.com](mailto:info@takhatpatnasahib.com), [info@takhatpatnasahib.in](mailto:info@takhatpatnasahib.in), Ph. 0612-2641821, 2642000

पटना गुरु का घर है,  
सर्वशदानी दशमेश पिता के  
357वें प्रकाश पर्व पर  
लख-लख बधाइयां



सूरज सिंह नलवा  
अध्यक्ष,  
पूर्ण भारत, प्रबंधक कमेटी,  
पटना साहिब

हरजीत सिंह

मैनेजर, प्रबंधक कमेटी,  
तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब

श्री गोविंद सिंह जी  
महाराज के 357वें  
प्रकाश पर्व पर  
बधाइयां



अमरजीत सिंह

पटना साहिब गुरुघर सेवक

दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह  
जी महाराज के 357वें प्रकाश पर  
लख-लख बधाइयां



सुमित सिंह कलसी  
गुरुघर सेवक



तहि प्रकाश हमारा भयो,  
पटना शहर बिखे भव लयो



दशमेश पिता के 357वें प्रकाश  
पर्व पर बधाइयां

सरजिंदर सिंह

पूर्व महासचिव,  
तख्त श्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी,  
हल्का-1, पटना साहिब



गुरुद्वारा बाललीला मैनी संगत

पटना साहिब राजा फतेह चंद मैनी व  
रानी माता विशंभरा देवी परिसर में

सर्वशदानी गुरु गोविंद सिंह जी  
का जन्मोत्सव



18 जनवरी (गुरुवार)

को मनाया जाएगा



बाबा गुरविंदर सिंह  
स्थानीय प्रमुख

बाबा करमीर सिंह भूरीगाले

जथेदार बाबा सुखविंदर सिंह